उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय , हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023- 24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय - गृहविज्ञान (HomeScience) Code- **GE-03**

पत्र - बाल विकास के मूल तत्व

पूर्णांक-100
सैद्धांतिक मूल्यांकन-40
प्रयोगात्मक-30
आंतरिक मूल्यांकन-30

प्रश्न पत्र GE-3	**पाठ्य विषय-बाल विकास के मूल तत्व**	**क्रेडिट** 05+01
इकाई		
1	वृद्धि एवं विकास: परिभाषा, वृद्धि एवं विकास में अंतर, विकास के प्रमुख क्षेत्र	1
2	विकास के सिद्धांत ,विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास की बाल्यावस्था और किशोरावस्था में विकासात्मक कार्य	1
3	बाल्यावस्था [पूर्व एवं उत्तर)-परिभाषा ,शारीरिक एवं क्रियात्मक (गत्यात्मक) विकास, भाषा विकास ,संवेगात्मक विकास ,संज्ञानात्मक विकास	1
4	किशोरावस्था- परिभाषा ,शारीरिक ,सामाजिक, संवेगात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास	1
5	प्रयोगात्मक : नर्सरी अथवा किंडर गार्डन के बालकों के व्यवहार एवं विकास का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करना	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तक :-

1. डॉ वृंदा सिंह-मानव विकास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. शर्मा एवं शर्मा-बाल विकास, स्टार पब्लिकेशन, आगरा
3. E.B. Hurlock-Child Development, McGraw Hill Education, London

1/08/2024

01/08/2024

1/8/24

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय , हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri IV Semester)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023- 24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषय - गृहविज्ञान (HomeScience) Code- GE-04

पत्र - गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा एवं संचार संप्रेषण

पूर्णांक-100
सैद्धांतिक मूल्यांकन-40
प्रयोगात्मक-30
आंतरिक मूल्यांकन-30

प्रश्न पत्र GE-4	**पाठ्य विषय : गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा एवं संचार संप्रेषण**	**क्रेडिट 05+01**
इकाई		
1	प्रसार शिक्षा: अर्थ, अवधारणाएँ, उद्देश्य, क्षेत्र, सिद्धांत, प्रसार शिक्षा का दर्शन। भारत में प्रारंभिक प्रयास। औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा	1
2	प्रसार शिक्षण और अधिगम: एक प्रसार कार्यकर्ता की भूमिका और गुण। प्रसार शिक्षण प्रक्रिया में चरण, प्रभावी शिक्षण और अधिगम के लिए मानदंड।	1
3	संचार और प्रसार शिक्षण विधियाँ: परिभाषा, महत्व, विशेषताएँ, तत्व, मॉडल संचार में चुनौतियाँ। संचार, प्रसार और विकास के बीच संबंध। प्रसार शिक्षण विधियाँ- वर्गीकरण, प्रसार शिक्षण विधियों के चयन और उपयोग को निर्देशित करने वाले कारक।	1
4	दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री: परिभाषा, महत्व, वर्गीकरण, चयन, तैयारी और दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री का प्रभावी उपयोग।	1
5	छात्रों को प्रैक्टिकल में निम्नलिखित तैयार करना चाहिए: 1. चार्ट 2. पोस्टर 3. फ़्लैश कार्ड 4. पैम्फलेट	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तकें: -

डॉ० वी. डी. हरपलानी-गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा

डॉ० वृंदा सिंह-प्रसार शिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

डॉ० मंजूपाटनी-गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा

डॉ० बी०के० चौबे, ए हैंडबुक ऑफ़ एजूकेशन एक्सटेंशन, मैक मिलन पब्लिशिंग हाउस, यू.एस.ए.

1/08/2024

01/08/2024

1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023- 24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषयः समाजशास्त्र (Sociology)

तृतीय सत्र (GE-03)

पूर्णांक - 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन -70
आंतरिक मूल्यांकन -30

तृतीय सत्र (GE-03)	पाठ्य विषय - भारत मे सामाजिक परिवर्तन	क्रेडिट (05+01)
ईकाई		क्रेडिट
1	सामाजिक परिवर्तनः अर्थ परिभाषाएं एवं प्रमुख विशेषताएं, प्रमुख प्रतिमान रेखीय एव चक्रीय	1
2	समाजिक परिवर्तन के कारकः आर्थिक, सांस्कृतिक एवं प्रौद्योगिक	1
3	सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएंः उद्विकास, प्रगति एवं विकास	1
4	सामाजिक आंदोलनः अवधारणा, विशेषताएं एव प्रकार	1
5	परिचमीकरणः अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं नगरीकरणः अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं भारतीय समाज पर प्रभाव	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

प्रमुख पुस्तकें :–

- B Kappuswami1993- Social Change in India, Konark Publication, New Delhi
- Kingsly Davis, 1995- Human Society, Surjeet Publication, Delhi
- Srinivas, M.N., 2016- आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- Yogesh Atal, 2006 – Changing Indian Society , Rawat Publication, Jaipur
- Ram Ahuja 1999—Indian Social System , Rawat Publication Jaipur
- Rao, M.S.A. 1990—Urban Sociology in India Orient Blackswan Pvt. Ltd. New Delhi
- सिंह जे.पी., 2016– आधुनिक भारत में सामाजिक परियर्तन, PHI Learning Pvt. Ltd. New Delhi
- शर्मा के.एल. 2006– भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन, जयपुर

01-08-2024

1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)
शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri Semester IV)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023- 24 से प्रभावी
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
विषयः समाजशास्त्र (Sociology)
चतुर्थ सत्र (GE-04)

पूर्णांक - 100
सैद्धांतिक मूल्यांकन -70
आंतरिक मूल्यांकन -30

चतुर्थ सत्र GE-04	पाठ्य विषय - भारतीय सामाजिक समस्याएं	केडिट (05+01)
ईकाई		केडिट
1	सामाजिक समस्याएं : अवधारणा, विशेषताएं, एवं प्रकार	1
2	बेरोजगारी : परिभाषा, अवधारणा, प्रकार, कारण एवं प्रभाव	1
3	निर्धनताः अवधारणा, प्रकार, कारण, सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएं- इंदिरा आवास योजना, संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना (SGRY) एवं मनरेगा (MANREGA)	1
4	पारिवारिक समस्याएंः घरेलू हिंसा, दहेज	1
5	मद्यपानः अवधारणा व कारण, भिक्षावृत्तिः अवधारणा व कारण	1
6	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

प्रमुख पुस्तकें:-

- Ahuja Ram: Social Problems in India, Rawat Publication Jaipur
- Morton, Nisbert R: Contemporary Social Problems; "Swenders College Publishing, U.S.A."
- आहुजा राम : सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2016
- गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. : भारतीय सामाजिक समस्याएं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
- गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. : समकालीन भारत में सामाजिक समस्याएं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023–24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषयः राजनीति विज्ञान (Political Science) कोडः GE-03

पत्रः भारतीय राजनीतिक चिंतन

पूर्णांकः – 100

सैद्धान्तिक – 70

आन्तरिक मूल्यांकन – 30

तृतीय सत्र GE-3	पाठ्य विषय–भारतीय राजनीतिक चिंतन	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत, विशेषताएं	1
2.	मनु–राजनीतिक विचार, कौटिल्य का सप्तांग सिद्धांत	1
3.	शुक्र नीति	1
4.	स्वामी विवेकानन्द–राजनीतिक दर्शन	1
5.	महात्मा गाँधी–सर्वोदय विचार, अम्बेडकर–न्याय सम्बन्धी विचार	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

Readings:

- डॉ. ए. पी. अवस्थी (2012–13), भारतीय राजनीतिक विचारक
- ओमप्रकाश गावा (2009), भारतीय राजनीतिक विचारक
- Thomas Pantham and Kari Deustch, Political Thought in Modern India, 1996
- M.P. Singh, Indian Political Thought person, 2012
- V.R. Mehta, Fundamental of Indian Political Thoughts, Manohar, 1992
- डॉ0 नीशू कुमार (2023), भारतीय राजनीतिक चिंतन की परम्परा
- वी0एम0 शर्मा, रामकृष्ण दत्त शर्मा एवं सविता शर्मा, भारतीय राजनीतिक चिंतक, रावत पब्लिकेशन।
- वी0पी0 वर्मा, आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- डॉ0 पुरुषोत्तम नागर, आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2019

01/08/2024

01.08.2024

1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री चतुर्थ सत्र (Shastri Semester IV)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023–24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषयः राजनीति विज्ञान (Political Science) कोडः GE-04

पत्रः पाश्चात्य राजनीतिक चिंतक

पूर्णांक – 100

सैद्धान्तिक – 70

आन्तरिक मूल्यांकन – 30

चतुर्थ सत्र GE-4	पाठ्य विषय–पाश्चात्य राजनीतिक चिंतक	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	प्लेटो–शिक्षा सिद्धांत, अरस्तू–नागरिकता	1
2.	मैकियावली–राजनीतिक विचार, हाब्स–सामाजिक समझौता का सिद्धांत	1
3.	लॉक–सम्पत्ति अधिकार, रूसो– समान इच्छा का सिद्धांत	1
4.	जेरेमी बैंथम का उपयोगितावाद का सिद्धांत	1
5.	कार्ल मार्क्स–सामाजिक, वर्ग संघर्ष का सिद्धांत	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

Readings:

- डॉ0 प्रभुदत्त शर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन 2013।
- D. Buncher and pearson . Kelly. 2003, Political Thinkers, Oxford University, Press
- एस.सी. सिंहल, प्राचीन भारतीय चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- एस.सी. सिंहल, पाश्चात्य भारतीय चिंतन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
- डॉ. बी.एल. फाड़िया, पाश्चात्य भारतीय चिंतन, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
- संजीव कुमार शर्मा, राजनीतिक चिंतन की भारतीय दृष्टि, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 2023

01/08/2024

01.08.2024

1/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023–24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषयः अर्थशास्त्र (Economics) कोडः GE-03

पत्रः भारतीय अर्थव्यवस्था

पूर्णांकः – 100
सैद्धान्तिक – 70
आन्तरिक मूल्यांकन – 30

तृतीय सत्र GE-3	पाठ्य विषय– भारतीय अर्थव्यवस्था	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	ब्रिटिशकाल से पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था, भूमि व्यवस्था में परिवर्तन, ब्रिटिश काल में कर व्यवस्था, भारत से आर्थिक निकास की मात्रा।	1
2.	स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप, आर्थिक नियोजन की शुरूआत, भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल तत्व, अर्थव्यवस्था के विकास के बाधक तत्व।	1
3.	भारत में कृषि क्षेत्र की समस्याएं, खाद्य व श्रमिक समस्या तथा जनसंख्या नियंत्रण व परिवार कल्याण योजनाएं।	1
4.	गरीबी की अवधारणा, कारण व सम्भावित उपाय, बेरोजगारी और इसके प्रभाव तथा बेरोजगारी उन्मूलन योजनाएं, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना; मनरेगाद्ध, लघु व छोटे उद्योगों का महत्व व समस्याएं।	1
5.	भारत का विदेशी व्यापार, आयात निर्यात की प्रवृत्ति, विदेशी व्यापार की संरचना, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण, निजीकरण का भारत की अर्थव्यवस्था में महत्व।	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तकें–

- दत्त और सुंदरम, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस चंद एंड कंपनी, आगरा, 2021
- एल.एन. कोहली बृजेश रावत, भारतीय अर्थव्यवस्था, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल आगरा
- बी0के0 पुरी, एस0के0 मिश्रा, भरत गर्ग, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2023

2.08.2024 02/08/2024 2/8/24

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

शास्त्री उपाख्या (Graduate Diploma)

शास्त्री तृतीय सत्र (Shastri Semester III)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम/सत्र 2023–24 से प्रभावी

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)

विषयः अर्थशास्त्र (Economics) कोडः GE-04

पत्रः कृषि अर्थशास्त्र

पूर्णांक– 100
सैद्धान्तिक – 70
आन्तरिक मूल्यांकन – 30

चतुर्थ सत्र GE-4	पाठ्य विषय– कृषि अर्थशास्त्र	क्रेडिट 05+01
इकाई		क्रेडिट
1.	कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व	1
2.	कृषि उत्पादकता का अर्थ, भारत में निम्न कृषि उत्पादकता के कारण, उत्पादकता बढ़ाने के उपाय, सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं।	1
3.	कृषि विपणन का अर्थ, महत्व, दोष, स्वतंत्रता के पश्चात् कृषि विपणन के दोषों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपाय।	1
4.	हरित क्रान्ति का अर्थ, साधन, सफलता एवं असफलता, कृषि मूल्य आयोग, श्वेत क्रान्ति, नीली क्रान्ति।	1
5.	कृषि वित्त का अर्थ, स्रोत, भारतीय कृषि वित्त के दोष सरकार द्वारा किये गये प्रयास नाबार्ड।	1
6.	अनुशिक्षण (Tutorial)	1

संदर्भ पुस्तकें–

- एस.वी. गुप्ता, कृषि अर्थशास्त्र, एस.वी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा, 2019
- डॉ. वी.एल. माथुर, कृषि अर्थशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2011
- हरसरन दास, कृषि अर्थशास्त्र, रामा पब्लिकेशन, मेरठ, 2023
- प्रो. रेखा डी. वसावा, कृषि, अर्थशास्त्र, जे.टी.एस. पब्लिकेशन, दिल्ली, 2018

२.०८.२०२४ 02/08/2024 २/८/२४